पिरामिड आरेख

Page No.
Date

इन आरेखों की आकृति पिरैमिड (Pyramid) के समान होती है अतः इन्हें पिरैमिड आरेख नाम से पुकारा जाता है। आयु-वर्ग, लिंग (Sex) के अनुसार जनसंख्या या साक्षरता के आकड़े प्रदर्शित करने के लिए प्रायः इस प्रकार के आरेख बनाए जाते है परन्तु किसी देश के आयात-निर्यात अथवा किसी वस्तु के उत्पादन आदि के आकड़े प्रदर्शित करने के लिए भी इन आरेखों का प्रयोग हो सकता है।

रचना के विचार से पिरैमिड आरेख के तीन मुख्य भेद है —

(i) सरल पिरैमिड
(ii) अध्यारोपित पिरैमिड
(iii) मिश्रित पिरैमिड

(1) सरल पिरैमिड आरेख (Simple pyramid diagram)

किसी एक स्थान या एक वर्ष से सम्बन्धित पिरामिड ० सरल आरेख कहलाते है। इन आरेख को बनाते समय पहले पदमाले में दिये गए आयु-वर्गों के अंकों को एक ऊर्ध्वाकार कॉलम में निचे से उपर आरोही क्रम में लिखते है। इसके बाद प्रत्येक आयु-वर्ग के सामने एक ओर पुरुष तथा दूसरी ओर महिला की संख्या

प्रतिशत मूल्यों को मापनी अनुसार लम्बे क्षैतिज स्तम्भ बनाकर प्रकट करते है

② अध्यारोपित पिरामिड आरेख :-

जब किन्ही दो स्थानों अथवा एक ही स्थान पर भिन्न-भिन्न वर्गों में आयु-वर्ग तथा लिंग के अनुसार जनसंख्या आकड़ों की तुलना करनी होती है तो अध्यारोपित पिरामिड आरेख का प्रयोग करते है। इन आरेखो में किसी एक स्थान या वर्ष के सरल पिरामिड आरेख पर दूसरे स्थान या वर्ष के सरल पिरामिड आरेख को अध्यारोपित कर दिया जाता है इसमे दो बातो का ध्यान रखा जाता है।

प्रथम :- दोनो स्थानो के आरेख एक ही मापनी पर बनाए जाने चाहिए -

द्वितीय :- अध्यारोपण के पश्चात नीचे वाले आरेख के प्रत्येक स्तम्भ का थोड़ा बहुत भाग अवश्य दिखलाई देना चाहिए। इसके लिए या तो नीचे वाले आरेख को अपेक्षाकृत कुछ अधिक चौड़ा बनाते है अथवा ऊपरी आरेख को थोड़ा ऊपर या नीचे हटाकर निचले आरेख पर अध्यारोपित करते है।

Scanned by SelfScan

(3) मिश्रित पिरामिड आरेख :-

आयु-वर्ग और लिंग के अतिरिक्त जनसंख्या के अन्य लक्षण की तुलना करने के लिए भी पिरामिड आरेख बनाए जा सकते है। मिश्रित पिरामिड आरेख इसका एक उदाहरण है। इस आरेख की आकृति सोपानुमा होती है तथा आरेख के भिन्न-भिन्न सोपान किसी स्थान या क्षेत्र की भिन्न-भिन्न वर्षों में कुल जनसंख्या को प्रकट करती है। अर्थात इनकी लम्बाइयों को जनसंख्या के अनुपात में पूर्व निश्चित मापनी के अनुसार ज्ञात करके बनाए जाते है।

आरेख में प्रारम्भिक वर्ष की कुल जनसंख्या प्रकट करने वाला सोपान सबसे ऊपर, अगले वर्ष का सोपान उसके नीचे तथा अन्तिम वर्ष का सोपान सबसे नीचे बनाए जाते है। इसके पश्चात एक सोपान के कोने को उसके सोपान के कोने से मिलाकर आरेख को एक सीढ़ीनुमा पिरामिड का रूप प्रदान करते है।

Scanned by SelfScan

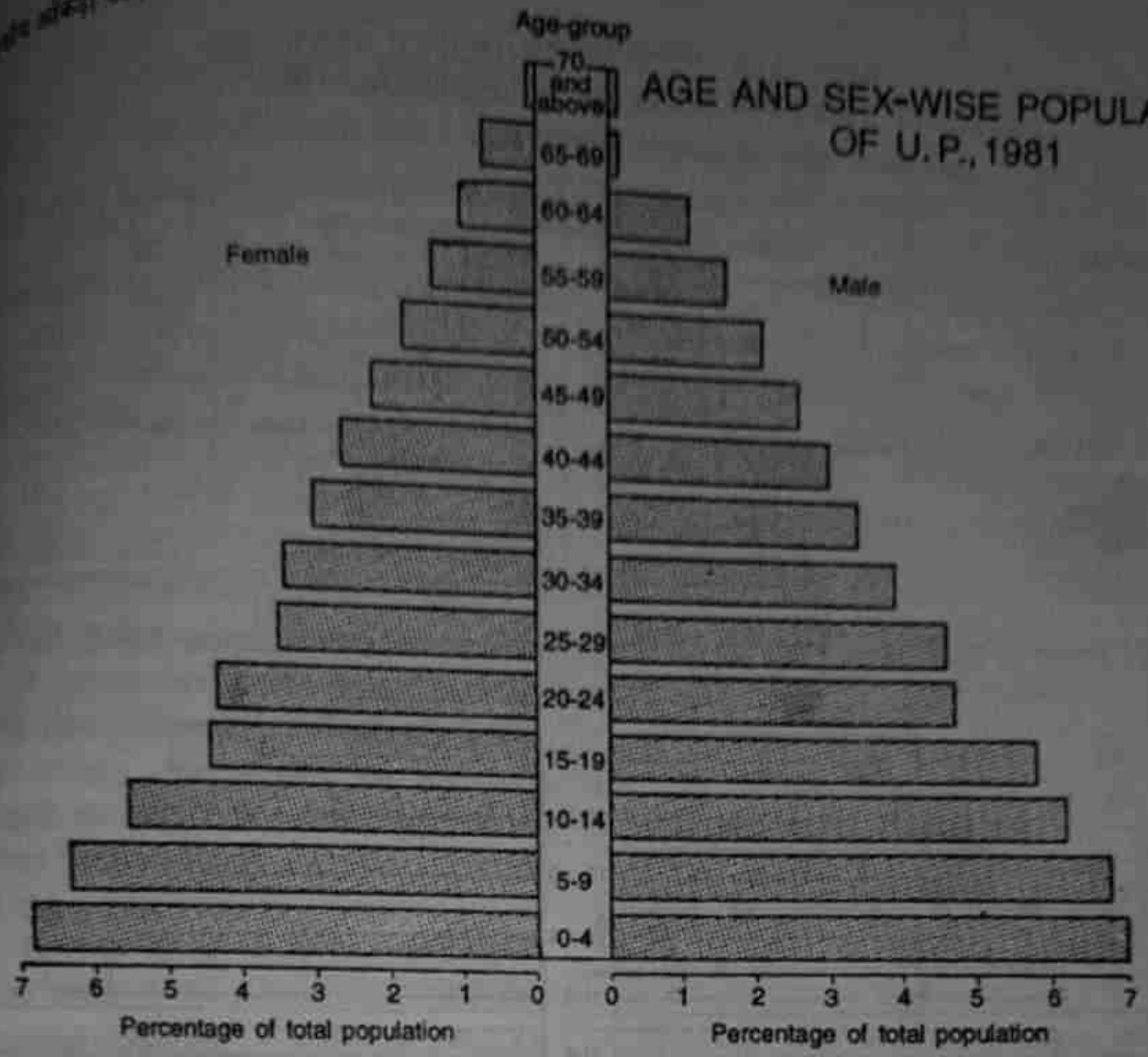

चित्र 13.7—सरल पिरैमिड आरेख।

उदाहरण (8) निम्नांकित आँकड़ों की सहायता से एक अध्यारोपित पिरैमिड आरेख की रचना कीजिये :

बिहार तथा पश्चिमी बंगाल में आयु-वर्ग व लिंग के अनुसार जनसंख्या, 1981

आयु-वर्ग	बिहार (कुल जनसंख्या का प्रतिशत)		प० बंगाल (कुल जनसंख्या का प्रतिशत)	
	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री
0 – 4	7.8	7.3	5.5	6.0
5 – 9	6.8	6.0	5.9	6.1
10 – 14	5.8	5.3	5.9	5.8
15 – 19	4.8	4.7	5.8	5.2
20 – 24	4.0	3.9	5.5	4.9
25 – 29	3.8	3.7	5.0	4.2
30 – 34	3.6	3.5	4.4	3.5
35 – 39	3.2	3.0	3.7	2.9
40 – 44	2.8	2.7	3.1	2.4
45 – 49	2.4	2.3	2.5	2.0
50 – 54	2.2	1.6	1.9	1.6
55 – 59	1.5	1.6	1.3	1.3
60 – 64	1.2	1.3	1.0	1.0
65 – 69	0.9	0.9	0.7	0.7
70 व अधिक	0.2	0.2	0.1	0.1

Scanned by SelfScan